तु महारे घर का मालिक स कोनया तन्नै नाराज करूं

तु महारे घर का मालिक स,
कोनया तन्नै नाराज करूं,
हाथ जोड़ क पूजा थारी,
पित्र महाराज करूं ।bd।

जिस घर में सम्मान तेरा तुं,
उड़ै दड़ाके ठावः स,
दुध पुत में बरकत हो स,
सुथरा काम चलावः स,
सुबह शाम तेरी जोत जगाऊँ,
बंध लहसण और प्याज करूं,
हाथ जोड़ क पूजा थारी,
पित्र महाराज करूं ।
हो तुं महारे घर का मालिक स,
कोनया तन्नै नाराज करूं,
हाथ जोड़ क पूजा थारी,
पित्र महाराज करूं ।bd।

मावस के दिन कपड़े पहरादुँ,
तन्नै असनान करा क ने,
घर में थान बणादुँ पंडत,
ने जलपान करा क ने,
बारों मास तेरा गहणा घर में,
मैं तेरे ऊपर नाज करूं,
हाथ जोड़ क पूजा थारी,
पित्र महाराज करूं ।
हो तुं महारे घर का मालिक स,
कोनया तन्नै नाराज करूं,
हाथ जोड़ क पूजा थारी,
पित्र महाराज करूं ।bd।

तेरा पहरा जब बणया रह तो,
हवा ओपरी आवः ना,
जिसका पित्र बंधज्या तो,
भोग उड़ै तक जावः ना,
दो रोटी तेरे ना की काढुँ,
[illegible]

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

हाथ जोड़ क पूजा थारी,
पित्र महाराज करूं।
हो तुं महारे घर का मालिक स,
कोनया तन्नै नाराज करूं,
हाथ जोड़ क पूजा थारी,
पित्र महाराज करूं।bd।

कृष्ण जुए आले की दादा,
तेरे हाथ में डोरी स,
तेरी दया त तेरे बेटे की,
हवा कसुती होरी स,
धनसिँह भक्त पाणीपत के महां,
तेरी दया तं राज करूं,
हाथ जोड़ क पूजा थारी,
पित्र महाराज करूं।
हो तुं महारे घर का मालिक स,
कोनया तन्नै नाराज करूं,
हाथ जोड़ क पूजा थारी,
पित्र महाराज करूं।bd।

तु महारे घर का मालिक स,
कोनया तन्नै नाराज करूं,
हाथ जोड़ क पूजा थारी,
पित्र महाराज करूं।bd।

प्रेषक –
राकेश कुमार खरक जाटान(रोहतक)
9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com